



Gaurav Kumar Sharma

19 Jun 1992

08:20 PM

Delhi

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120543301

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120543301

Date: 14/12/2025

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 19/06/1992
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 20:20:00 घंटे
इष्ट _____: 37:21:03 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India
अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 19:58:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:01:19 घंटे
साम्पातिक काल _____: 13:51:10 घंटे
सूर्योदय _____: 05:23:34 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:21:24 घंटे
दिनमान _____: 13:57:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 04:47:47 मिथुन
लग्न के अंश _____: 19:37:46 धनु

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:
चैत्रादि संवत / शक _____: 2049 / 1914
मास _____: आषाढ़
पक्ष _____: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 4
तिथि समाप्ति काल _____: 18:03:49
जन्म तिथि _____: 5
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: श्रवण
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 19:20:04 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: धनिष्ठा
सूर्योदय कालीन योग _____: वैधृति
योग समाप्ति काल _____: 22:55:00 घंटे
जन्म योग _____: वैधृति
सूर्योदय कालीन करण _____: बालव
करण समाप्ति काल _____: 18:03:49 घंटे
जन्म करण _____: कौलव
भयात _____: 02:29:49
भभोग _____: 67:32:33
भोग्य दशा काल _____: मंगल 6 वर्ष 8 मा 27

Hharpal Sharma (Ank Jyotiish Kendra)

B- 3&48, Raj Vihar, Rampark Extension, Tronica City, Ghaziabad, U.P. 201103
7840895315

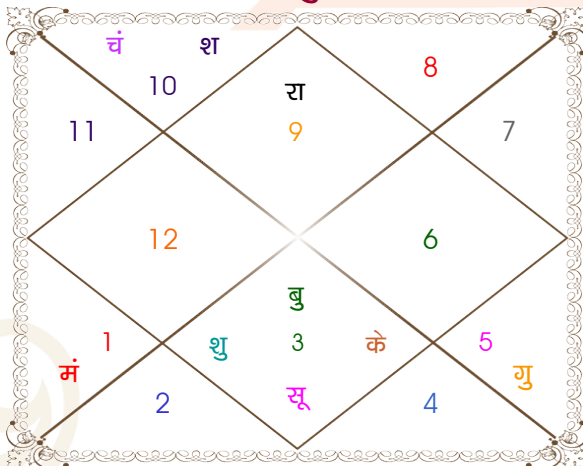
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	धनु	19:37:46	---	--	--	--	नेक
सूर्य	मिथुन	04:47:47	सम राशि	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	मकर	23:49:34	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	मेष	09:53:12	मूलत्रिकोण	--	--	--	नेक
बुध	मिथुन	24:39:41	स्वराशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	सिंह	14:21:53	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	मिथुन	06:25:14	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शनि	व मकर	24:20:36	स्वराशि	--	हाँ	--	नेक
राहु	धनु	06:54:46	नीच राशि	--	--	--	नेक
केतु	मिथुन	06:54:46	नीच राशि	--	--	--	मन्दा

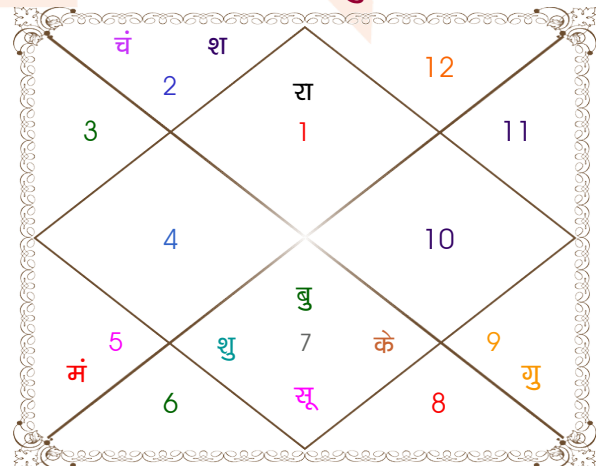
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	हाँ	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप सरकारी पद पर हैं तो आपका मिजाज गर्म होगा। जो आपको लाभ देगा। आपके पारिवारिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहेंगे। आपके जन्म से पहले मां-बाप की आर्थिक स्थिति खराब परंतु जन्म के बाद ठीक हुई होगी। पराई ममता या दूसरी स्त्री साथ देगी। शरीर पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। आपका परिवार ठीक रहेगा। आपकी औलाद के पास धन रहेगा। आपके हौसले बुलंद रहेंगे। आप आला किस्म के मर्द होंगे। आपको बिना यत्न बुजुर्गों का धन मिलेगा। आपके ससुराल वालों से संबंध अच्छे रहेंगे। आप धन की खूब बचत करेंगे। विवाह के बाद किस्मत चमकेगी, आपका पत्नी के अतिरिक्त और भी औरतों से संबंध हो सकते हैं या दो विवाह भी हो सकते हैं। आपकी लड़की अच्छे घर में ब्याही जाएगी। भागीदारी के कामों से लाभ मिलेगा। आपकी ज्योतिष, कर्मकांड में रुचि रहेगी। अंत समय में आप अपने घर पर ही मौजूद रहेंगे।

यदि आपने भागीदार से झगड़ा किया, धन के लिए ससुराल वालों को तंग किया, झूठ-झूठ में विश्वास रखा, सरकार का टैक्स चुराया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से ससुराल के खानदान का समय बिगड़ जाएगा। पत्नी अस्वस्थ हो सकती है। 25 वर्ष तक स्त्री का सुख मंदा रहेगा। यदि आप नौकरी या व्यापार करते हैं स्वभाव गर्म होगा तो हानि होगी। सरकारी विभाग में नौकरी हैं तो गर्म स्वभाव रखना आपकी आदत होगी। कभी-कभी नर संतान से परेशानी रहेगी या आपके परिवार में लड़का नंगा या पागल हो सकता है। यदि आप चोरी-छीनी करेंगे तो आर्थिक स्थिति खराब होती जायेगी। ज्यादा गुस्सा करना, खुदगर्जी, खुशामदी बर्बादी की निशानी हो सकती है। आपके पैर में कुछ तकलीफ होगी। पत्नी से झगड़ा, जुदाई या तलाक हो, ऐसी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. नौकरी करते हैं या दुकानदार हैं तो गर्म मिजाज न रहें।
2. सरकारी विभाग में नौकर हैं तो गर्म मिजाज रखें।

उपाय :

1. घर से काम पर जाते समय चीनी खाकर पानी पीकर जायें।
2. रात को रोटी पकाने के बाद गैस-चूल्हा या चूल्हे की आग दूध के छीटे देकर बुझावें। वह गैस चूल्हा या चूल्हा/सूर्योदय से पहले न जलावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से यह आपके भाग्य को जगाता है। धन-संपदा से संपन्न रहेंगे। आपके वंश की वृद्धि होगी। पैतृक सुख और

संपत्ति से पूरे रहेंगे। आपके घर में लक्ष्मी की वृद्धि होगी। आपको जद्दी-जायदाद और विरासत का हिस्सा अवश्य मिलेगा। आपको वृद्धावस्था में सभी शुभ फल अवश्य मिलेंगे। बुढ़ापे में सुखकारक समय होगा। आपको भाई का सुख अवश्य मिलेगा। आप सफल प्रेमी होंगे। आप धनवान और उच्चाधिकारी बनेंगे। आपके ससुराल की माली-हालत अच्छी होगी। पिता और ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ मिलता है। 48 वर्ष आयु तक माता का सुख मिलता है। परिवार में किसी के जुड़वा बच्चे भी पैदा हो सकते हैं। सफेद चीजों (चावल-चांदी, दूध आदि) से अधिक लाभ मिल सकता है।

यदि आपने बूढ़ी स्त्री या माता का अपमान किया, ससुराल वालों को तंग करके धन प्राप्त किया, मांस-मदिरा का सेवन किया, घर में मंदिर बना कर पूजा-पाठ किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से 25 और 34 वर्ष की आयु में गरीबी का सामना करना पड़ सकता है। आप दुनियावी प्रेम संबंधों के कारण बर्बाद हो सकते हैं। आपको संतान में विघ्न या संतान का सुख देर से मिलेगा। आपको बहन का सुख नहीं मिले ऐसा संभव है। बहन-बेटी या परिवार की किसी लड़की को मिरगी का दौरा पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर के मंदिर में शिवलिंग, मूर्तियां, घंटी, शंख आदि न रखें।
2. शराब और मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें।

उपाय :

1. माता या बूढ़ी स्त्री के पैर छूकर आशीर्वाद लें।
2. माता से चावल-चांदी, सफेद कपड़े की थैली में लेकर पास रखें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल पांचवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप शांत स्वभाव के हैं। आपको अपने जन्मस्थान से दूर निवास करना पड़ सकता है आप बहुत यात्रा करेंगे। आपको धन-संपदा मिलेगी। पत्नी एवं संतान सुख प्राप्त होगा। आपकी औलाद अच्छी और सुखी रहेगी। आपका बेटा तथा पोता भी धनवान होगा। आप धनवान संतान के पिता होंगे। आपकी उम्र ज्यों-ज्यों बढ़ेगी आप अमीर होते चले जाएंगे। आप या आपके खानदान में कोई हकीम या डॉक्टर हो सकता है। आपके बुजुर्गों की माली हालत अच्छी होगी। प्रत्येक वर्ष जन्मदिन के बाद से उन्नति और तरक्की होती चली जाएगी। आप अपने भाई या बाप-दादे की हैसियत से ऊंचे दर्जे के व्यक्ति होंगे। आपकी पुत्र प्राप्ति के बाद भाग्योन्नति होगी। आपके भाग्य के संबंध में अच्छा असर होने की उम्मीद है।

यदि आपका चाल-चलन खराब हुआ, आपने परिवार के लोगों से बिना कारण दुश्मनी रखी, सट्टा-जुआ आदि खेला, संतान या पत्नी से झगड़ा किया तो आपका मंगल मंदा

हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपकी विद्या अधूरी, पेट में खराबी, कानों की तकलीफ, घुटने या पैरों में किसी प्रकार का कष्ट या जोड़ों का दर्द हो सकता है। संतान प्राप्ति या संतान सुख में बाधा की आशंका है। स्त्री को अठराह की बीमारी जो संतानोत्पत्ति में विघ्न कारक होती है, हो सकती है। सट्टा-जुआ आदि में हानि का योग है। पुत्र से क्लेश, परिवार में किसी को दमा या मिरगी का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. शराब-बीयर न पियें, मछली न खायें।

उपाय :

1. घर में नीम का पेड़ जमीन या गमले में लगावें।
2. रात को लोटे में पानी भरकर सिरहाने रख कर सुबह किसी पौधे या बाग-बगीचे में डालें।

बुध

आपकी कुंडली में बुध सातवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुलीन होंगे। आप व्यवहार कुशल होंगे। आप प्रिंटिंग प्रेस, डाक्टर/कैमिस्ट का काम, रेडीमेड माल के व्यापार से धन कमाएंगे। नौकरी-व्यापार के लिए तो बुरा असर नहीं होगा। आप अपने काम धन्धे में 34 वर्ष की उम्र तक सफल हो सकेंगे। आपकी विदेश की यात्रा होगी। आप किसी भी प्रकार का काम करें, वह काम प्रारंभ होकर, बिखर जाएगा। आपका ससुराल पक्ष धनी और मजबूत होगा। आपकी तलवार में इतनी ताकत नहीं जितनी आपकी कलम में शक्ति है। कोर्ट-मुकद्दमे में आपकी जीत होगी। आप दूसरों के लिए भी माफिक रहेंगे। आप अपने दोस्तों या परिचित लोगों के सहायक होंगे। आपको दस्तकारी के काम, तकनीक कार्य और लकड़ी के काम में उत्तम फल मिलेगा। आपका जीवन सुलझा हुआ होगा। विज्ञापन या स्वयंवर द्वारा विवाह का योग होता है। आपकी पत्नी उच्च परिवार से होगी।

यदि आपने साहुकारा किया, भाई-साले के साथ साझेदारी की, पत्नी से झगड़ा किया, परस्त्री से चाल-चलन खराब किया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपकी साली से घरेलू संबंध बनेंगे जो कि आपकी बर्बादी का कारण बनेगा। आपके विवाह में गड़बड़ी होगी। अगर विवाह में देरी हो तो 34 वर्ष की आयु तक निश्चित विवाह हो जाएगा। स्त्री से दूरी या तलाक तक की नौबत आ सकती है। आपके भाई-बंधु आपका विरोध करेंगे। झगड़ा-फसाद या मुकद्दमेबाजी या उलझन ज्यादा प्रभावी नहीं होगी। आपमें बुद्धि की कमी रहेगी। आपमें परिपक्वता देर से आयेगी। आप अपने परिवार को तोड़ सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बिना सींग की गाय या बकरी न पालें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

उपाय :

1. हीरा पहनें/हीरे के अभाव में पन्ना भी पहन सकते हैं।
2. चीनी खा कर पानी पीकर कार्य शुरू करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति नौवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनी होंगे अर्थात् बड़े भाग्यशाली होंगे। आप अपने धर्म पर अडिग और वचन के पक्के होंगे परंतु आपके जीवन में कभी भी धन की कमी महसूस नहीं होगी। आपको जौहरी या सर्राफी के काम करने से बहुत लाभ होगा। आपके घर की प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आप तीर्थ स्थान की यात्रा के शौकीन होंगे। आप धर्मात्मा, ज्योतिषी, वैद्य, सिद्ध पुरुष होंगे। आप अपने पूर्वजों के माध्यम से प्रगति के पथ पर अग्रसर होंगे। भाग्य का श्रेष्ठ प्रभाव आपके ऊपर पड़ेगा यानि 36 वर्ष की उम्र में धन की प्राप्ति होगी। आप अच्छे, सम्मानित एवं अमीर खानदान में जन्म लेंगे। आप अपनी मेहनत से भी धन कमाएंगे। आपकी आदतें राजाओं जैसी होंगी। आप आध्यात्मिक तौर पर योगी स्वभाव के होंगे। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आपकी आयु के साढ़े सोलह वर्ष, 19, 33, 49 विशेष और धन प्राप्त करने वाले होंगे। आप तमाम दुनिया से लड़ कर अपनी किस्मत बना लेंगे अर्थात् आप स्वयं अपने भाग्य के निर्माता होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति को शुभ करने के लिए भाग्य पूरा साथ देगा। आपके गृहस्थ जीवन में सुख बढ़ेंगे। इसका शुभ असर पूरे परिवार पर अच्छा रहेगा।

यदि आपने धर्म छोड़ दिया या धर्म विरोधी कार्य किये, पिता से झगड़ा या विरोध किया, किया हुआ वायदा पूरा न किया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपके जीवन में बुरा समय आए उससे पहले आप दुनिया से कूच कर जाएंगे। आप अपनी औलाद से कई बार दुःखी होंगे। आपको दिल की बीमारी की आशंका है। आपका सोना गिर जाये, चोरी हो, लूटा जाये, गिरवी पड़े या बिक जाएगा, यह बहुत अशुभ लक्षण है। आलस्य करने से आपके महत्वपूर्ण कार्य अधूरे रह जाएंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दिया हुआ वचन पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें, गुम होने से बचायें।

उपाय :

1. गंगा स्नान करें (हर महीने में एक बार 9 महीने लगातार)।

2. धर्म की पालना करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र सातवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से यह खुलासा हो रहा है कि आपकी माता और पत्नी में मां-बेटी जैसा प्यार रहेगा। आपके घर में माया का अच्छा प्रभाव रहेगा। लक्ष्मी की बरकत कभी भी कम नहीं होगी। आपकी पच्चीस वर्ष की उम्र तक ही परेशानी रहेगी। इसके बाद समय जीवन भर सुख पूर्ण रहेगा। आपके कमाए हुए धन से स्त्री पक्ष को लाभ होगा। आप विवाह में उपयोगी चीजों का कार्य, जैसे टैंट हाउस, ब्यूटी पार्लर, रेडिमेड गारमेंट्स चलाएं तो अच्छा लाभ होगा। आपको कृषि योग्य जमीन भी मिलेगी। आपको अच्छा भवन एवं वाहन सुख मिलेगा। काली स्त्री से लाभ होगा। 37 वर्ष की आयु तक स्त्री सुख खूब मिलेगा। आपको जदी घर से दूर समुद्र की यात्रा द्वारा कमाई होगी। आपके अपने जन्म स्थान के शहर/गांव में लाभ नहीं मिलेगा। आप संसार में कहीं भी रहें मरने के समय जदी घर पर वापस आ जाएंगे।

यदि आपकी पत्नी का रंग गोरा हुआ, साले के साथ साझेदारी की, चाल-चलन खराब रखा तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपके काम धंधे में भाई-बंधु, यार-दोस्त आपकी संपत्ति को लूटते रहेंगे। आपके कारोबार में यही लोग रुकावट डालेंगे। ससुराल वालों को कारोबार में साथ न रखें। वैवाहिक संबंध में तथा संतानोत्पत्ति में गड़बड़ी रह सकती है। चमड़े के पर्स में रुपये-पैसे न रखें। आपकी पत्नी और आपकी माता की नहीं बनेगी या वह ग्रहचाल के कारण इकट्ठी नहीं रह पायेंगी। परस्त्री से इश्क के बुरे असर होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

उपाय :

1. बिल्ली की जेर कंबल के टुकड़े में रख कर अपने पास रखें।
2. कांसे का बर्तन दहेज में जरूर लेवें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पैतृक संपत्ति और ससुराल से लाभ रहेगा। आप मान-प्रतिष्ठा से युक्त होंगे। आप ईश्वर भक्त और पूजा-पाठ करने वाले होंगे। आप आजन्म मुखिया बने रहेंगे। कमाई और खर्चा बराबर हो जाएगा। आप अपनी पहली कन्या का लालन-पालन ससुराल पक्ष को सौंप दें तो आपके लिए फायदेमंद होगा। आपको जीवन में जीने की इच्छा प्रबल रहेगी। आप बाहर से देखने में

प्रभावशाली नहीं लगेंगे परंतु अपनी शक्ति और अक्ल में बहुत बलवान होंगे। कभी-कभी आप इस दुनिया से सन्यास लेने को भी उत्सुक हो सकते हैं। आपको माता का पूर्ण सुख मिलेगा। पिता के सुख में न्यूनता आ सकती है। आप में अक्ल की बारीकी और आध्यात्मिक शक्ति होगी। कोयला, चमड़ा, मकान-मशीनरी के कामों से अधिक लाभ होगा।

यदि आपने मादक चीजों-द्रव्यों का सेवन किया, सांप को मारा या सांप के जहर बेचने या प्रयोग करने से संबंधित कार्य किये या कानी भैंस पाली तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आप विचारों के कच्चे, मुर्दादिल और पस्त हौसले वाले होंगे। 28वें 39वें वर्ष की आयु रोग और बीमारी में बीत सकती है। आपकी किसी के साथ दुश्मनी भी हो सकती है। आपका जुआं आदि खेलना आपके ससुराल के लिए बुरा हो सकता है। आपके विवाह के समय ससुराल में अग्निकांड हो सकता है। विद्या अधूरी रहे, ऐसी आशंका है। सगाई के दिन से ससुराल को हानि होना शुरू हो जायेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. माथे पर तिलक की जगह सरसों तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

उपाय :

1. नंगे पैर धर्म स्थान में जावें।
2. सांप को दूध पिलावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान तथा श्रेष्ठ शासनाधिकारी होंगे। अगर सरकारी अधिकारी हुए तो राजदरबार में आपका बहुत सम्मान होगा। आपके ननिहाल वाले आपके जन्म के बाद अमीर होंगे। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में हुआ होगा या जन्म के समय आकाश पर बादल छाये हुए होंगे, ऐसी आशंका है। 42 वर्ष की उम्र तक समय मध्यम है जो कुछ भी बुरा हुआ होगा, इसके बाद बहुत अच्छा और शुभ रहेगा। आपका जन्म जिस घर में होगा उस घर के सामने घर में उजाड़ हो जाएगा। आपकी रोजी-रोटी के लिए दूसरा काम भी चालू रहेगा। यदि एक काम या नौकरी छूटेगी तो दूसरी नौकरी या व्यवसाय चालू हो जाएगा। आप धनी होंगे। आपको संतान सुख अच्छी या बुरी अवश्य मिलेगी। आपके लिए हर समय बोलते रहना अच्छी बात नहीं है। आपमें बेईमानी और धोखेबाजी की आदत भी विद्यमान रहेगी। जीवन में कई परिवर्तन आएंगे। माता और मन की शांति के लिए शुभ रहेगा।

यदि आपने विवाह के बाद ससुराल से लोहा, बिजली का समान, काले-नीले कपड़े मुफ्त या दान में लिये, मकान के आंगन में धुआं किया, बिल्ली की जेर, चमड़े के पर्स में रखी तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे

असर से आपके बनते कामों में रुकावट, तरक्की कम मगर बदला-बदली अधिक बार होगी। 11-21-42 वर्ष आयु में पिता के लिए समय अशुभ, परिवार में किसी को दमा-मिरगी का रोग हो सकता है। आप शरारती, आवारा और नास्तिक स्वभाव के होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आंगन में धुआं न करें।
2. पेट मोटा न हो, विशेष ध्यान रखें।

उपाय :

1. धर्म स्थान में गुड़-गेहूं दान देवें।
2. दूध से स्नान करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के सातवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप 24 वर्ष की उम्र से ही धन कमाने में जुट जाएंगे। जैसे-जैसे आपकी संतान की उम्र बढ़ती जाएगी वैसे-वैसे धन में बढ़ेत्तरी होती जाएगी। आजीविका का साधन बना रहेगा। रोजगार द्वारा अच्छी कमाई होगी। आपकी संतान बलशाली होगी। आप अपनी बात के पक्के होंगे। आप सब तरह से सुखी और संपन्न रहेंगे फिर भी पश्चात्ताप करते ही रहेंगे। आपकी संतान शेर का मुकाबला करने वाली होगी। आपकी पत्नी के जितनी संख्या में भाई-बहन होंगे उतनी ही संख्या में आपकी संतान होंगी। 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। परंतु इसके बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। धनधान्य में बरकत होगी। 24 साल की उम्र में इतना धन आएगा जो कि आने वाले 40 वर्षों तक के लिए काफी होगा। आपके दुश्मन आपका कुछ भी नहीं बिगाड़ेंगे। दुश्मन अपने आप तबाह हो जाएंगे। जीवन में कभी निराशा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

यदि आपने हर समय लिखने का काम किया, झूठा वायदा किया, परस्त्री गमन किया। अपनी पत्नी से झगड़ा किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से 7 वर्ष तक ननिहाल की हालत खराब, 34 वर्ष बाद सुख नष्ट होना शुरू हो जाएगा। झूठ बोलना, झूठ वायदा करना आपको अवनति देगा। शरीर में दर्द या बीमारी होगी। आपकी संतान पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आपका मन स्त्री और पुत्र के संबंध में अशांत रहेगा। आप अपनी जुबान से गंदी बातें बोलेंगे। आप अभिमान के कारण बर्बाद हो जाएंगे। किसी को दिया गया आश्वासन पूरा न करना आपके लिए हानिकारक होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. कलम से लिखने का अधिक काम न करें।

उपाय :

1. 4 केले 4 दिन जल में प्रवाह करें।
2. 4 नीबू 4 दिन जल में प्रवाह करें।



लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी कस्तुरी का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

वर्तमान आयु - 34

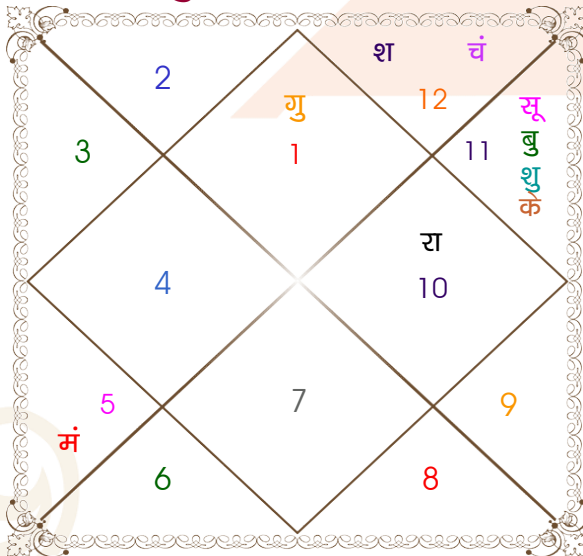
वर्तमान दशा - बुध

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	मन्दा

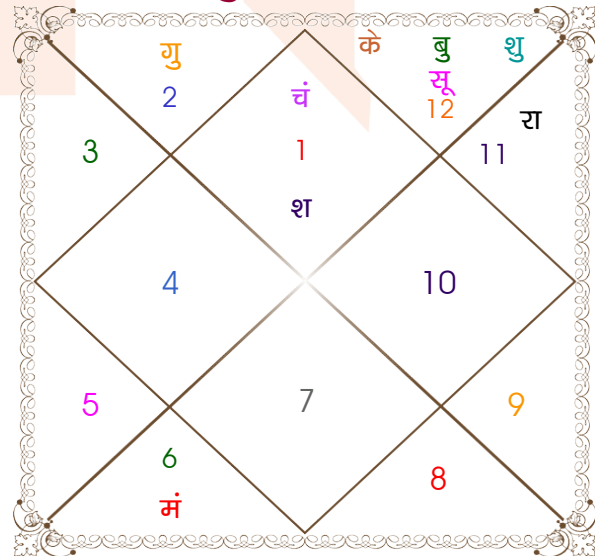
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2025 - 2026



वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 - 2026



लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष सुस्ती और लापरवाही से जीवन में तरक्की के कई अवसर खो सकते हैं। मांस-शराब के इस्तेमाल करना संतान को कष्ट होगा या संतान सुख की चिंता रहेगी। दूसरे लोगों को गाली देना, झूठी गवाही देना, लड़ाई-झगड़ा करना आपके लिये ठीक नहीं है इन बातों से बचें। सरकारी विभाग द्वारा दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. झूठ न बोलें, जूठ भोजन न खावें और न खिलावें।
2. मांस-मछली न खावें और शराब आदि न पिये मादक चीजों का सेवन न करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके सभी काम तरस-तरस कर बनेंगे, विद्या संबंधी कामों में रुकावट हो सकती है, आपकी बात बदलने की आदत बनेगी, व्यतीत समय की बातें लोगों को सुना कर अपनी बढ़ाई करेंगे। 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' जैसी कहावत आप पर चरितार्थ हो सकती है। मुकदमों में हार का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी घर में रखें या आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में कायम करें।
2. 16 लीटर वर्षा का पानी कनस्तर में भरकर 4 शुद्ध चांदी के चौरस टुकड़े डाल कर रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 5 में शुभ है। जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गृहस्थ/संतान का सुख मिलेगा, परिवार में उन्नति होगी, यात्रा बहुत होगी। इस जन्म दिन के बाद धन दिनों-दिन बढ़ता जाएगा, पिता-दादा की हैसियत भी बढ़ेगी, चाल-चलन आपको उम्दा रखना होगा, शत्रु को भी मित्र बनाने में प्रयत्नशील रहेंगे और शत्रु आपका सहायक बन जाएगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें, अनैतिक संबंध न रखें।
2. शराब-बीयर न पिये, मांस-मछली का भोजन न करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बुरे कामों से दूर रहना चाहिये, साधू-फकीर से धागा-ताबीज, जल-भभूति आदि से आपकी लंका में आग लगेगी अर्थात् आपका सुख और सुख के साधन नष्ट हो सकते हैं। बहन-बेटी का गृहस्थ जीवन कुछ कष्टमयी व्यतीत होगा, मांस खाना संतान के लिये हानिकारक या कष्टकारी रहेगा। अपशब्द न बोलें और गर्म मिजाज न रखें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कण्ठी वाला तोता पालें।
2. तांबे के पैसे में या तांबे के चौरस टुकड़े में सुराख करके सफेद धागे में पिरो कर गले में पहनें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पढ़ने-पढ़ाने में रुचि या विद्या सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा। आपको मान-सम्मान मिलेगा। पिता, दादा का रुतवा बढ़ेगा और उनका नाम रोशन होगा। नशों से दूर रहेंगे, सबके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। गुरु-साधू की सेवा करेंगे, सरकारी विभाग या शासन द्वारा भी आपको लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखना शुभ रहेगा।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष कन्या संतान का सुख मिल सकता है। आप अकारण पैसे के पीछे भागते रहेंगे। आपमें अच्छे गुण बढ़ेंगे मगर आपकी गुप्त कार्य करने की आदत हो जाएगी। विचारधारा को शीघ्र बदल देंगे, ससुराल पा के लोग सहायक होंगे। बहन-साली से भी लाभ मिलेगा स्त्री आपके कार्यों में साथ निभायेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता/पत्नी को घर की खजांची न बनाएं।
2. नौकरी-व्यापार में बार-बार बदला-बदली न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकदमों में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रुचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका हर काम सरहानीय होगा। सरकारी विभाग में नौकरी करते हैं तो उच्च पद मिले या सरकार द्वारा आपको लाभ होगा। आपके सिर के बाल सफेद होने शुरू हो जायें या हो चुके हों तो आपकी तरक्की की निशानी है। आपका चरित्र भी ऊंचा होना शुरू हो जायेगा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सिर पर सूर्य की रोशनी न पड़े अर्थात् नंगा सिर न रखें।
2. मौके के अधिकारी से झगड़ा न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो कार्य पर न जायें या कुछ समय के लिए रुक कर जएयें। माता/सास का विरोध करना आपके लिये शुभ नहीं। संतान से झगड़ा न करें बल्कि उसकी सेवा करने से भाग्योदय होगा। व्यतीत समय के किस्से-कहानियाँ लोगों को सुना कर समय न गुजारें।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काला कुत्ता पालें या काले कुत्ते की सेवा करें।
2. काले-सफेद पत्थर के चकले पर रोटी बेल कर बनायें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन रेत का तकिया बना कर रात को सिर के नीचे रख कर सोये।
(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

वर्तमान आयु - 35

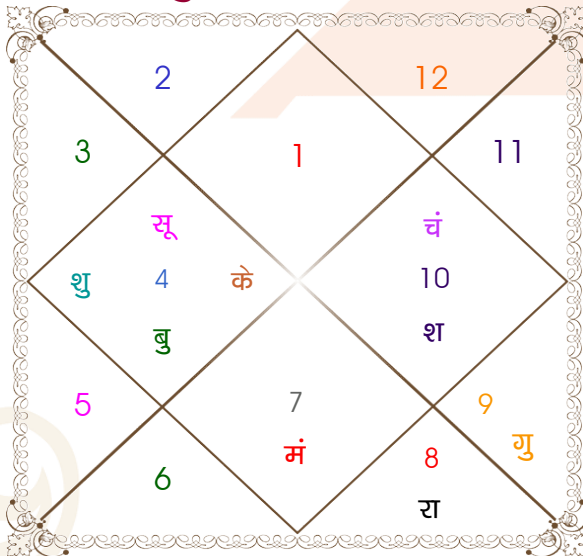
वर्तमान दशा - बुध

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	हाँ	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	हाँ	--	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

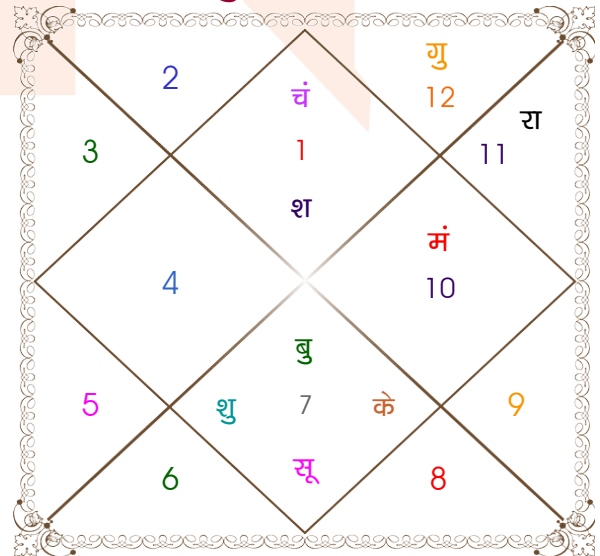
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



Hharpal Sharma (Ank Jyotiish Kendra)

B- 3&48, Raj Vihar, Rampark Extension, Tronica City, Ghaziabad, U.P. 201103
7840895315

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 4 में है तो जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता और सुख की हानि होगी, माता से दूर रहे तो विद्या से लाभ होगा। मन अशांत रह सकता है और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ लोग आपके काम बिगाड़ सकते हैं सतर्क रहें। पैतृक कार्य बदलने का विचार रहेगा। माता से झगड़ा रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. अन्धे व्यक्ति को भोजन खिलाएं।
2. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय या वैसे ही रात के समय लिक्चड दवाई का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोरों-जुआरियों, शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी स्त्री या प्रेमिका द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें अर्थात् पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की तरक्की और वृद्धि होगी। रोते हुए व्यक्ति को हंसाना और उसको ढांडस देकर मदद करना अपना कर्तव्य समझेंगे, इन्साफ पसन्द, ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी, विष्णु भगवान की तरह संसार के पालक सिद्ध हो सकते हैं। जज, सरपंच, नेता जैसे आदि पद का अधिकार भी मिल सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

2. घर में बेलदार पौधे या बेलें न लगावें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता से दूरी या माता की आयु कम हो सकती है। हृदय रोग की संभावना, खराब चाल-चलन और अनैतिक सम्बन्ध आपके लिये परेशानी पैदा कर सकते हैं। विदेश यात्रा में हानि या विदेश संबंधी कारोबार में परेशानी भी हो सकती है। बेटी-बहन, बुआ-साली के धन का उपयोग करना आपकी तरक्की में रुकावट बनेगा।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. तांबे के पैसे में सूर्य करके सफेद धागे में पिरोकर गले में पहनें।
2. केसर/हल्दी का तिलक करें।
3. 101 ढाक के पत्ते दूध से धोकर जल प्रवाह करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अपने पूर्वजों के द्वारा लाभ होगा, ज्योतिष और गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। परिवार के लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। आप दुनिया में अपने परिवार का नाम चमकाएंगे। जौहरी/सर्पफ्री के कामों से लाभ हो सकता है। आपकी आदत राजाओं जैसी बनेंगी। प्राण जाये पर वचन न जाये ही आपका धर्म होगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किया हुआ वायदा पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष पत्नी के अतिरिक्त दूसरी स्त्री से संबंध रह सकता है जो आपके लिये हानिकारक है और संतान के लिये चिंताजनक। चाल-चलन चाल-चलन पर धब्बा लगेगा, चाल-चलन संभालना एक जरूर चीज है। माता, पत्नी का झगड़ा होगा। कारोबार में हानि, मानसिक तनाव रहेगा। मामा को कष्ट हो सकता है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. केसर कुएं में डालें।

2. चार आड़ू की गिटकों में सुरमा भर कर वीराने में दबाये।
3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें। (पुत्र सुख के लिए)

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकारी विभाग या सरकार द्वारा लाभ मिलेगा। इस वर्ष का हर दसवां दिन और दसवां महीना आपके लिये शुभ और लाभकारी है। धर्मात्मा होना आपके लिये ठीक नहीं रहेगा। स्थायी कामों अर्थात् एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से मान-सम्मान बढ़ेगा और अधिक धन लाभ मिलेगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मादक द्रव्यों/चीजों का प्रयोग न करें और मछली न खायें।
2. भाग-दौड़ के काम न करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष अंगहीन, निःसंतान, काने, गंजे व्यक्ति से दूर रहें। जन्म दिन के बाद आठवें मास से उलझनें बढ़ सकती हैं। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे होता रहेगा, बिजली विभाग, जंगल विभाग, पुलिस विभाग से संबंधित कामों में परेशानी या धन और समय नाश हो सकता है। बंधन और कैद में न रहेंगे।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 चौरस सिक्के (औफदप) के टुकड़े जल प्रवाह करें।
3. जिस दिन इस वर्ष का 8वां मास शुरू हो उस दिन 43-43 बादाम मंदिर में ले जाकर वहां रखें, उसमें से 43 बादाम उठा कर घर पर लाकर सफेद थैली में रख लें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष रीड़ की हड्डी या जोड़ों का दर्द, शुगर/पेशाब का रोग हो सकता है। माता की चिंता हो सकती है या माता को कष्ट हो सकता है। हृदय रोग के प्रति आलस्य न बरतें। पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। कुल पुरोहित से संबंध ठीक रखे तो पुत्र चिंता दूर होगी। कुत्ते के काटने का भय रहेगा। यात्रा में रुकावट आयेगी या यात्रा में हानि हो सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चने की दाल और केसर धर्म स्थान में देवें।
2. कुल पुरोहित को धन वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। अगर कुल पुरोहित न हो तो 4 किलो चने की दाल महीने दो महीने में धर्म स्थान में देवें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शरीर पर शुद्ध सोना धारण करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

